11 मार्च 2026
बुधवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

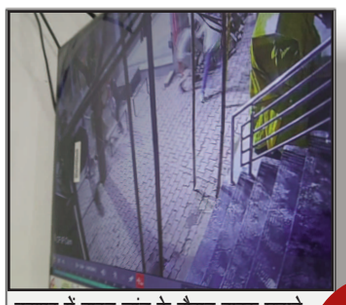

ब्रह्मपुर में वाहन जांच के दौरान बाइक छुड़ाने को ले पुलिस टीम पर हमला, चौकीदार गंभीर रूप से घायल, छह लोग गिरफ्तार 2

एक नजर

घरेलू उपभोक्ताओं को मिलती रहेगी गैस : केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर स्थिति साफ कर दी है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत अपनी जरूरतों के लिए सिर्फ मध्य-पूर्व पर निर्भर नहीं है। भारत अलग-अलग देशों और रास्तों से तेल और गैस की सप्लाई पक्की कर रहा है। मंत्री ने मीडिया से बातचीत में बताया कि भारत का ऊर्जा आयात लगातार जारी है और सप्लाई चेन पूरी तरह सुरक्षित है। सरकार ने ऐसे कदम उठाए हैं जिससे युद्ध के बावजूद आम लोगों को गैस की कमी न हो। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी जानकारी दी कि भारत का ऊर्जा आयात बिना किसी रुकावट के चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बावजूद घरेलू उपभोक्ताओं को ईंधन की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सीएनजी और पीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

राजस्थान-हरियाणा बॉर्डर पर बड़ा हादसा, मिट्टी धंसने से 7 मजदूरों की दर्दनाक मौत

अलवर। दिल्ली-जयपुर हाइवे पर स्थित सिधरावली में 'सिग्नेचर ग्लोबल' कंपनी की एक निमार्णाधीन साइट पर एक भीषण हादसा हो गया। कंस्ट्रक्शन कार्य के दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा धंसने के कारण वहां काम कर रहे 11 मजदूर मलबे के नीचे दब गए बता दें कि इस हृदयविदारक घटना में 7 श्रमिकों की मौत हो गई है। जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस थाना बिलासपुर की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल को बुलाया गया। जिला प्रशासन और बचाव दलों ने संयुक्त रूप से भारी मशीनों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, जो देर रात करीब 03:30 बजे तक चला। मलबे से निकाले गए सभी व्यक्तियों को तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 7 मजदूरों को मृत घोषित कर दिया।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार सदन में 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया

■ प्रस्ताव पर विपक्ष के कुल 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में अध्यक्ष के पद से हटाने के लिए लाया गया प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया है। प्रस्ताव के समर्थन में आवश्यक संख्या में सदस्यों के खड़े होने के बाद इस पर चर्चा के लिए कुल 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। लोकसभा में एक महत्वपूर्ण संसदीय घटनाक्रम सामने आया है, जिसमें अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए लाया गया प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया। नियमों के अनुसार जब किसी प्रस्ताव को सदन में प्रस्तुत किया जाता है और उसके समर्थन में कम से कम 50 सदस्य खड़े होते हैं, तब उसे चर्चा के लिए स्वीकार किया जाता है। इस मामले में भी आवश्यक संख्या पूरी होने के बाद प्रस्ताव को विधिवत स्वीकार कर लिया गया और उस पर चर्चा के लिए समय निर्धारित कर दिया गया।

विपक्ष के अनेक सांसदों का समर्थन

इस प्रस्ताव पर विपक्ष के कुल 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि अध्यक्ष द्वारा सदन की कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता का पालन नहीं किया गया। विपक्ष का कहना है कि सदन में विपक्ष के नेता को बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया, जिससे असंतोष की स्थिति उत्पन्न हुई। इसी पृष्ठभूमि में यह प्रस्ताव लाया गया है, जिसने संसद की कार्यवाही को राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है।

बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित

संसदीय परंपरा के अनुसार ऐसे प्रस्तावों पर व्यापक चर्चा की व्यवस्था की जाती है। इसी क्रम में इस प्रस्ताव पर बहस के लिए कुल 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को अपने-अपने तर्क प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। बहस के माध्यम से अध्यक्ष की भूमिका, सदन की कार्यवाही और संसदीय परंपराओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होने की संभावना है।

बजट सत्र के बीच बढ़ा राजनीतिक तापमान

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब संसद का बजट सत्र चल रहा है। इस वर्ष बजट सत्र का पहला चरण 28 जनवरी से शुरू होकर 13 फरवरी तक चला था। इसके बाद दूसरा चरण शुरू हुआ, जो 2 अप्रैल तक जारी रहने वाला है। ऐसे महत्वपूर्ण समय में आया यह प्रस्ताव संसद की कार्यवाही और राजनीतिक माहौल को और अधिक सक्रिय बना सकता है।

संसदीय परंपराओं की कसौटी पर बहस

लोकसभा अध्यक्ष का पद संसदीय लोकतंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह पद सदन की कार्यवाही को निष्पक्ष और संतुलित ढंग से संचालित करने के लिए जिम्मेदार होता है। इसलिए इस पद से जुड़े किसी भी प्रस्ताव या बहस का महत्व केवल राजनीतिक नहीं बल्कि संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से भी जुड़ा होता है। आने वाले समय में इस प्रस्ताव पर होने वाली बहस संसद की कार्यवाही को नई दिशा दे सकती है।

मदुरै एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा दिया गया

कैबिनेट के 6 बड़े फैसले : जल जीवन मिशन 2.0 को मंजूरी

❍ रेलवे लाइन और हाईवे परियोजनाओं से कनेक्टिविटी बढ़ेगी

एजेंसी। नई दिल्ली

मोदी कैबिनेट ने मंगलवार को 6 बड़े फैसले किए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'आज कैबिनेट में 6 बड़ी चचाएं हुईं। ये सभी फैसले करीब 8,80,000 करोड़ रुपये के हैं। उन्होंने कहा, 'इसमें जल जीवन मिशन 2.0, मदुरै एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट घोषित करना, पश्चिम बंगाल में संतरागाछी से खड़गपुर तक चौथी रेलवे लाइन बनाना, सैंथिया-पाकुड़ चौथी लाइन, मध्य प्रदेश में बदनावर-थांदला-टिमरवानी हाईवे को चार लेन का बनाना और जेवर एयरपोर्ट को फरीदाबाद की तरफ से जोड़ना शामिल है।' कैबिनेट ने तमिलनाडु के मदुरै एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में घोषित करने को मंजूरी दी है। इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बेहतर होगी, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इसके अलावा कैबिनेट में जल जीवन मिशन की अवधि को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने को मंजूरी दी है। ग्रामीण पेयजल आपूर्ति क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों पर होगा। मिशन की कुल लागत बढ़ाकर 8.69 लाख करोड़ रुपये करने को मंजूरी दी है।

रेलवे में बड़ा विस्तार : दो नई चौथी लाइन परियोजनाएं

रेलवे नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए कैबिनेट ने दो मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी कुल लागत करीब 4,474 करोड़ है।इन परियोजनाओं में सैंथिया-पाकुड़ चौथी रेलवे लाइन और संत्रागाछी-खड़गपुर चौथी रेलवे लाइन शामिल हैं।ये परियोजनाएं पश्चिम बंगाल और झारखंड के 5 जिलों में लागू होंगी और करीब 192 किलोमीटर रेलवे नेटवर्क का विस्तार करेंगी। इससे करीब 5652 गांवों और लगभग 1.47 करोड़ आबादी को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।रेल मंत्रालय के अनुसार, इन लाइनों के बनने से मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों की आवाजाही तेज होगी, जिससे रेलवे की क्षमता बढ़ेगी और लॉजिस्टिक्स लागत भी कम होगी।इन मार्गों से कोयला, पत्थर, डोलोमाइट, सीमेंट, लोहा-इस्पात और अनाज जैसे जरूरी सामान की ढुलाई आसान होगी। अनुमान है कि इससे हर साल 31 मिलियन टन अतिरिक्त माल परिवहन संभव हो सकेगा। पर्यटन के लिहाज से भी यह नेटवर्क महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे बोलपुर-शांतिनिकेतन, तारापीठ, नंदिकेश्वरी मंदिर, भीमबंध वन्यजीव अभयारण्य जैसे प्रमुख स्थानों तक पहुंच आसान होगी।

हजारों गांवों को मिलेगा सीधा फायदा

इन रेलवे परियोजनाओं से लगभग 192 किलोमीटर रेल नेटवर्क का विस्तार होगा। इससे करीब 5652 गांवों और लगभग 1.47 करोड़ लोगों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिल सकेगी। बेहतर परिवहन व्यवस्था से क्षेत्रीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। कैबिनेट ने मध्य प्रदेश में बदनावर-थांदला-टिमरवानी हाईवे को चार लेन में विकसित करने की परियोजना को भी मंजूरी दी है। इसके अलावा जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को फरीदाबाद की ओर से जोड़ने के लिए बेहतर सड़क कनेक्टिविटी विकसित करने की योजना भी शामिल है। इन परियोजनाओं के माध्यम से उत्तर भारत में परिवहन व्यवस्था और आर्थिक विकास को और मजबूती मिलने की संभावना जताई जा रही है।

यूपी : सीएम का सख्त फरमान-जमा किया पेट्रोल-डीजल और गैस तो होगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगामी पर्व-त्योहारों, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा तथा अन्य महत्वपूर्ण आयोजनों के दृष्टिगत कानून-व्यवस्था एवं प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने हालिया वैश्विक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में पेट्रोल- डीजल की उपलब्धता जानने के बाद कहा कि प्रदेश में कहीं भी पेट्रोल और डीजल की कमी नहीं है। आपूर्ति और वितरण सामान्य है। अधिकारियों से कहा कि कहीं भी किसी प्रकार की घबराहट या

कृत्रिम संकट की स्थिति न बनने पाए।सीएम ने खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अधिकारी फील्ड में उतर कर निरीक्षण करते रहें। जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी निगरानी रखी जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं चैत्र नवरात्र की तैयारियों की समीक्षा के दौरान कहा कि देवीपाटन मंदिर (बलरामपुर), शाकुंभरी देवी (सहारनपुर), मां विंध्यवासिनी धाम (मिजार्पुर), ललिता देवी (सीतापुर) सहित प्रमुख शक्तिपीठों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। अयोध्या में 27 मार्च को श्रीरामनवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन, पेयजल, स्वच्छता और भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की जाए।

100 डॉलर प्रति बैरल पार कर गई कच्चे तेल की कीमत

नई दिल्ली। ईरान युद्ध की वजह से कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को एक दिन में 25 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के साथ 107 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई जो पिछले चार साल में सबसे अधिक है। राहत की बात यह है कि इससे घरेलू महंगाई में कोई खास बढ़ोतरी की आशंका नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बताया कि खुदरा महंगाई दर पर कच्चे तेल की कीमतों में होने वाली भारी बढ़ोतरी का सीमित असर होगा। संसद को दिए गए लिखित जवाब में सीतारमण ने कहा कि महंगाई दर अभी अपने निचले स्तर पर है जिससे कच्चे तेल के असर को सीमित करने में मदद मिलेगी।

असम में 40 लाख महिलाओं के खातों में नौ हजार रूपए ट्रांसफर

एजेंसी। गुवाहाटी

असम में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार की चर्चित ओरुनोदोई योजना एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। मंगलवार सुबह से ही राज्य की लगभग 40 लाख महिलाओं के बैंक खातों में नौ हजार की राशि ट्रांसफर कर दी गई। यह रकम डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए भेजी गई है और इसे एक ही दिन में किए गए सबसे बड़े सरकारी ट्रांसफर में से एक माना जा रहा है।मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के अनुसार, इस योजना के तहत करीब 3600 करोड़ रूपए से अधिक की राशि सीधे लाभार्थी महिलाओं के खातों में भेजी गई है। चुनावी साल में यह कदम महिलाओं को आर्थिक सहारा देने के साथ-साथ राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।ओरुनोदोई योजना असम सरकार की प्रमुख सामाजिक कल्याण योजनाओं में शामिल है। इसका मकसद गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों, विशेषकर महिला मुखिया वाले परिवारों को नियमित आर्थिक सहायता देना है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1250 की आर्थिक मदद दी जाती है, ताकि वे राशन, दवाइयों और अन्य जरूरी घरेलू खर्चों को आसानी से पूरा कर सकें।

14 मार्च को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, बक्सर में नौ बेंच गठित

- **लगभग तीन हजार मामलों के निपटारे का लक्ष्य, बैंक ऋण मामलों में मिल सकती है विशेष छूट**

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में लंबित मामलों के त्वरित और सौहार्दपूर्ण निपटारे के उद्देश्य से 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश पर बक्सर जिला न्यायालय परिसर में व्यापक तैयारी शुरू कर दी गई है। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार बक्सर काजल झाम्ब की अध्यक्षता में कुल नौ बेंचों का गठन किया गया है। प्रत्येक बेंच में एक न्यायिक पदाधिकारी, एक पैनल अधिवक्ता तथा एक पीठ लिपिक की तैनाती की गई है। ये सभी पीठें सुलह योग्य मामलों का आपसी सहमति के आधार पर निपटारा करेंगी। इसके लिए विभिन्न न्यायालयों और विभागों में लंबित मामलों को चिन्हित कर लोक अदालत में प्रस्तुत किया जाएगा। पहली पीठ में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय बक्सर मनोज कुमार के साथ पैनल अधिवक्ता रामानंद मिश्रा कार्य करेंगे। इस पीठ में भारतीय स्टेट बैंक से जुड़े सर्टिफिकेट केस, वैवाहिक विवाद तथा मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम से संबंधित मामलों का निष्पादन किया जाएगा। दूसरी पीठ में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुदेश कुमार श्रीवास्तव और पैनल अधिवक्ता दीपिका कुमारी केसरी को जिम्मेदारी दी गई है। यहां जिला न्यायालय में लंबित विभिन्न सुलहनीय मामलों के साथ इंडियन बैंक, एचडीएफसी बैंक, भारत संचार निगम लिमिटेड तथा ग्राम कचहरी से जुड़े मामलों की सुनवाई होगी। तीसरी पीठ में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश संजीत कुमार सिंह तथा पैनल अधिवक्ता रेणु रणविजय ओझा बैंक ऑफ बड़ौदा, बंधन बैंक और अनुमंडल न्यायालय बक्सर के लंबित मामलों का निपटारा करेंगे। चौथी पीठ में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश अमित कुमार शर्मा और पैनल अधिवक्ता मधु कुमारी अनुमंडल न्यायालय के आपराधिक मामलों के साथ आईडीबीआई बैंक, केनरा बैंक और बैंक ऑफ इंडिया से संबंधित मामलों की सुनवाई करेंगे। पांचवीं पीठ में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश कमल कुमार तथा पैनल अधिवक्ता विष्णु दत्त द्विवेदी श्रम विभाग, दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक बक्सर एवं डुमरांव तथा भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों का निष्पादन करेंगे। छठी पीठ में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मानस कुमार वत्सल और पैनल अधिवक्ता सेवानंद उपाध्याय खनन विभाग, वन विभाग, ग्राम कचहरी, यूको बैंक और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक से संबंधित मामलों की सुनवाई करेंगे। सातवीं पीठ में अवर न्यायाधीश भोला सिंह और पैनल अधिवक्ता राजीव कुमार मिश्रा अरिहंत बैंक, सत्या माइक्रो कैपिटल लिमिटेड, टीवीएस क्रेडिट तथा एचडीबी फाइनेंस सर्विस से जुड़े मामलों का निपटारा करेंगे। आठवीं पीठ में अवर न्यायाधीश महेश्वर नाथ पांडे के साथ पैनल अधिवक्ता ज्योति शंकर और धर्मेंद्र कुमार बिजली चोरी से जुड़े मामलों के साथ सोनाटा फाइनेंस और जिला परिवहन विभाग के मामलों की सुनवाई करेंगे। वहीं नौवीं पीठ में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मानवेंद्र सिंह और पैनल अधिवक्ता कंचन कुमारी न्यायिक दंडाधिकारी न्यायालय में लंबित आपराधिक मामलों तथा माप-तौल विभाग और पंजाब नेशनल बैंक बक्सर व डुमरांव से जुड़े मामलों का सुलह के आधार पर निपटारा करेंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव सह अवर न्यायाधीश नेहा दयाल ने जिले के लोगों से राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक भाग लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में जिले के विभिन्न न्यायालयों में लंबित करीब तीन हजार मामलों के निपटारे का लक्ष्य रखा गया है। विशेष रूप से बैंक ऋण से जुड़े मामलों में बैंकों द्वारा छूट देने का भी आश्वासन दिया गया है, जिससे लोगों को अपने विवादों के समाधान का बेहतर अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोक अदालत जनता की अदालत है और इसकी सफलता आम लोगों की सहभागिता पर ही निर्भर करती है।

ब्रह्मपुर में वाहन जांच के दौरान बाइक छुड़ाने को ले पुलिस टीम पर हमला, चौकीदार गंभीर रूप से घायल, छह लोग गिरफ्तार

- **बाइक के कागजात बने बवाल की वजह, बराती व घराती मिल गश्ती दल पर टूट पडे, चपेट में आए मौके पर मौजूद चौकीदार**

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर में बीती रात एक साधारण वाहन जांच से शुरू हुआ मामला देखते ही देखते आधी रात बवाल में बदल गया। ब्रह्मपुर चौराहे पर पुलिस द्वारा की जा रही नियमित जांच के दौरान छोड़ी गई एक बाइक को लेकर बारात में शामिल लोगों और चौकीदारों के बीच ऐसा विवाद हुआ कि बात मारपीट तक पहुंच गई। इस घटना में एक चौकीदार गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि पुलिस ने मौके से छह लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

घटना सोमवार की रात करीब एक बजे की बताई जा रही है। उस समय ब्रह्मपुर चौराहे पर पुलिस द्वारा नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान आरा रोड की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर तीन युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो वे घबरा गए और बाइक को सड़क पर ही छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए आसपास की गलियों में भाग निकले। पुलिस ने युवकों का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन वे हाथ नहीं आए। इसके बाद मौके पर छोड़ी गई मोटरसाइकिल को जब्त कर थाना भेज दिया गया, क्योंकि बाइक के कागजात मौके पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने वाहन को आगे की जांच के लिए अपने कब्जे में ले लिया।

करीब आधे घंटे बाद मामला अचानक नया मोड़ ले बैठा। ब्रह्मपुर चौराहे पर ड्यूटी में तैनात चौकीदारों के पास लगभग 15 से 20 लोगों का समूह पहुंच गया। बताया जाता है कि ये सभी लोग पास में चल रही एक शादी समारोह से जुड़े थे। वे जब्त की गई मोटरसाइकिल के बारे में पूछताछ करने लगे। जब चौकीदारों ने बताया कि बाइक को थाना भेज दिया गया है तो कुछ लोग आक्रोशित हो गए। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोप है कि लोगों ने चौकीदारों को घेर लिया। गाली-गलौज के साथ लाठी-डंडों और मुक्कों से हमला कर दिया गया। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान चौकीदार विनोद पासवान के सिर पर गंभीर चोट लग गई, जबकि चौकीदार आशोक कुमार यादव को भी मारपीट में चोटें आईं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही मारपीट में शामिल लोग भागने लगे। हालांकि पुलिस ने पीछा कर छह लोगों को मौके से पकड़ लिया, जबकि अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। गिरफ्तार लोगों की पहचान भोजपुर जिले के करनामेपुर थाना क्षेत्र के पड़सौरा गांव निवासी नमो नारायण यादव, कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के बड़का ढकाईच निवासी सत्येंद्र उपाध्याय और अक्षय कुमार, सिकरौल थाना क्षेत्र के खड़ईचा गांव निवासी ओमकेश यादव, ब्रह्मपुर निवासी अंकित कुमार तथा उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के जवही दियर निवासी अखिलेश कुमार यादव के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में नमो नारायण यादव ने बताया कि उसके चचेरे भाई की शादी ब्रह्मपुर-आरा रोड स्थित एक मैरिज हॉल में हो रही थी। शादी में शामिल होने के बाद वह अपने दो साथियों के साथ बाइक से चौराहे की ओर जा रहा था। पुलिस जांच देखकर वे घबरा गए और कागजात नहीं होने के कारण बाइक छोड़कर भाग गए। बाद में वे बरात में शामिल अन्य लोगों के साथ बाइक लेने के लिए चौराहे पर पहुंचे थे, जहां विवाद हो गया। पुलिस ने इस मामले में धर्मेंद्र यादव, श्रीभगवान यादव, नेउर यादव और गणेश यादव समेत कई अन्य लोगों को भी चिन्हित किया है। घटना के बाद घायल चौकीदारों से गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कराई गई, जिसमें उन्होंने सभी को मारपीट में शामिल होने की पुष्टि की। घायल चौकीदारों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार कराया गया। पुलिस ने गिरफ्तार सभी आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं फरार अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि की है, उन्होंने कहा कि मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। घटना में शामिल अन्य लोगों को चिन्हित किया जा रहा है। उन्हें भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एक नजर

भाजपा प्रवक्ता की टिप्पणी पर राजद ने जताई कड़ी आपत्ति

बक्सर। भाजपा प्रवक्ता दीपक पांडेय द्वारा बक्सर सांसद व राजद नेता सुधाकर सिंह पर की गई कथित टिप्पणी को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। राजद के जिलाध्यक्ष शेषनाथ सिंह ने इस संबंध में जारी बयान में कहा कि बक्सर लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुधाकर सिंह के प्रति की गई टिप्पणी अनुचित और राजनीतिक मयार्दाओं के विपरीत है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय लोगों को बयान देते समय संयम और शालीनता का ध्यान रखना चाहिए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सांसद के बारे में की गई इस प्रकार की टिप्पणियां लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को प्रभावित करती हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं से अपील की कि वे राजनीतिक मतभेदों को मर्यादित भाषा और स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं के दायरे में रखते हुए व्यक्त करें। शेषनाथ सिंह ने कहा कि सांसद सुधाकर सिंह बक्सर संसदीय क्षेत्र के जनप्रतिनिधि हैं और क्षेत्र के विकास व जनहित के मुद्दों पर लगातार सक्रिय रहते हैं। राजद नेता ने यह भी कहा कि शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा तथ्य और तर्क के आधार पर होनी चाहिए। किसी भी व्यक्ति या जनप्रतिनिधि के प्रति व्यक्तिगत टिप्पणी करना उचित नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को एक-दूसरे के प्रति सम्मानजनक व्यवहार बनाए रखना चाहिए। शेषनाथ सिंह ने कहा कि बक्सर लोकसभा क्षेत्र की जनता ने सांसद सुधाकर सिंह पर भरोसा जताते हुए उन्हें अपना प्रतिनिधि चुना है। ऐसे में जनप्रतिनिधि के बारे में अनावश्यक विवाद पैदा करने वाली टिप्पणियों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के बीच विचारधारात्मक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन संवाद की भाषा हमेशा शालीन और सकारात्मक होनी चाहिए। राजद जिला अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि भविष्य में इस तरह की टिप्पणियों से परहेज किया जाएगा और सभी दल लोकतांत्रिक मूल्यों व मयार्दाओं का सम्मान करते हुए अपनी बात रखेंगे। गौरतलब हो कि भाजपा प्रवक्ता दीपक पांडेय ने दो दिन पूर्व प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा था कि सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत संसदीय मंत्रालय से प्राप्त पत्र के अनुसार लोकसभा सांसदों को अपने संसदीय क्षेत्र में किसी भी विभाग के लिए किसी व्यक्ति को अधिकृत प्रतिनिधि नियुक्त करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। इसके बावजूद सांसद सुधाकर सिंह द्वारा पत्रांक बीएक्सआर/138 दिनांक 28 दिसंबर 2024 के माध्यम से जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र लिखकर अरविंद कुमार सिंह को अपना प्राधिकृत सहयोगी नामित किया गया, जो गंभीर सवाल खड़े करता है। दीपक पांडेय ने आरोप लगाया था कि सांसद के कथित संरक्षण में अरविंद कुमार सिंह और उनके सहयोगी अजय सिंह शिक्षा विभाग में नियोजित शिक्षकों और अन्य कर्मियों से हर महीने अवैध वसूली करते हैं।

खुले में मछली-मांस बेचने वालों पर होगी कानूनी कार्रवाई, लगेगा दंड

केटी न्यूज/डुमरांव

खुले में मांस, मछली बेचने पर लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध अब कड़ाई से पालन किया जाएगा। इसकी मांग वर्षों से होती आ रही है, लेकिन डुमरांव नप की तरफ से कभी इस पर कार्रवाई नहीं की गई, जिससे खुले में बिक्री करने पर रोक नहीं लग पाया। इस पर नप ईओ ने प्रधान सहायक को दुर्गेश सिंह को आदेशित किया है कि खुले में बिक्री करने वालों चिन्हित करते हुए उन्हें हटाए। उन्होंने इसका भी आदेश दिया की इसकी बिक्री करने वाले पहले लाइसेंस बनवाएंगे, फिर सारे नियमों का पालन करेंगे। मालूम हो कि वर्तमान समय में स्कूल, कॉलेज से लेकर फुटपाथ पर खुले में मांस-मछली की बिक्री की जा रही है। जहां इसकी बिक्री होती है गंदगी के साथ बिमारियों फैलती हैं। ऐसे में इससे बचने के लिये सावधानी बरतनी जरूरी है, जिसकों लेकर नप ने अभियान छेड़ दिया है। नगर परिषद ने पहले इसका सर्वे कराया फिर सभी को नोटिस भेजा। बिक्री करने वाले लोगों में हड़कंप मचा और फिर सभी लाइसेंस बनावाने के लिये नप की दौड़ लगाने लगे हैं। इनके आवेदन को लेने के लिये नप कर्मी मो. राजा को कार्य सौंपा गया है। बिक्री करने वाले बहुत लोगों ने बताया की लाइसेंस बनाने के लिये हमलोगों ने आवेदन दस-पंद्रह दिन पहले जमा किया है, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इधर नप के अधिकारियों का कहना है कि लाइसेंस निर्गत जिसको होगा, उसे नियम को पालन करते हुए बिक्री करनी होगी। जहां भी बिक्री किया जाएगा नियम के अनुसार, खुले में नहीं बंद कमरे में होगी। विदित हो कि शहर में मांस-मछली की बिक्री एक दर्जन स्थानों पर खुले में की जाती है। बिक्री किये जाने स्थलों में स्टेशन रोड के महराजा पेट्रोल पंप के पा, प्रखंड कार्यालय गेट के पास, राज हाई स्कूल के मुख्य गेट के ठीक सामने, नगर भवन के पास, सफाखाना रोड में, शीला सिनेगा के पास, जंगलबाजार रोड मुख्य रूप से शाकिल हैं। नप द्वारा खुले में मांस, मछली के बिक्री पर रोक लगाए जाने से लोगों में खुशी है।

भू-अर्जन मामलों में तेजी लाने का निर्देश, लंबित प्रकरणों का शीघ्र सत्यापन करें अधिकारी

- **डीएम साहिला की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक, मुआवजा भुगतान और एनएच परियोजनाओं की प्रगति पर हुई चर्चा**

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में भू-अर्जन से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं के लिए चल रहे भूमि अधिग्रहण कार्यों की प्रगति, मुआवजा भुगतान की स्थिति तथा लंबित मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि मुआवजा भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए अंचल स्तर पर लंबित मामलों का शीघ्र सत्यापन कर संबंधित कार्यालय को भेजने का निर्देश भूमि सुधार उप समाहर्ता बक्सर एवं डुमरांव को दिया गया, ताकि प्रभावित रैयतों को समय पर मुआवजा राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मुख्य मार्ग, पुल निर्माण तथा संपर्क पथों से संबंधित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया लंबित है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए, ताकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाएं जिले के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने तथा लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटाने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन समिति की 29 नवंबर 2025 को आयोजित बैठक के अनुपालन की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारी को उक्त बैठक से संबंधित अनुपालन प्रतिवेदन शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में भू-अर्जन से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे तथा परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।

डुमरांव में भाकपा माले ने शांति मार्च निकाल अमेरिका-इजराइल नीतियों के खिलाफ किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में मंगलवार को भाकपा माले एवं अखिल भारतीय किसान महासभा के कार्यकताओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी युद्ध और अशांति के खिलाफ शांति मार्च निकाला। कार्यकताओं ने अमेरिका और इजराइल की नीतियों का विरोध करते हुए ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध को तुरंत रोकने की मांग की। मार्च के दौरान कार्यकताओं ने विश्व शांति और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर जोरदार नारेबाजी भी की। शांति मार्च शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए मेन रोड, गोला रोड और शहीद पार्क तक निकाला गया, जहां यह सभा में तब्दील हो गया।

सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले के जिला सचिव नवीन कुमार, किसान नेता अलख नारायण चौधरी तथा पूर्व विधायक अजीत कुमार सिंह ने कहा कि दुनिया में बढ़ती अशांति के लिए अमेरिका और इजराइल की नीतियां जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय नियमों को दरकिनार कर विभिन्न देशों पर हमले किए जा रहे हैं, जिससे आम नागरिकों, महिलाओं और बच्चों की जान जा रही है।

पूर्व विधायक अजीत कुमार सिंह ने कहा कि भारत हमेशा से अमन और शांति का पक्षधर रहा है, इसलिए भारत सरकार को भी वैश्विक स्तर पर शांति कायम करने की दिशा में पहल करनी चाहिए। उन्होंने ईरान के खिलाफ जारी युद्ध पर तत्काल रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि युद्ध की स्थिति से पूरी दुनिया प्रभावित होती है और इसका असर आम जनता पर पड़ता है। कार्यकताओं ने मार्च के दौरान अमेरिका-इजराइल की नीतियों के खिलाफ नारे लगाए और युद्ध बंद करने की मांग की। साथ ही महंगाई, गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती कीमतों को लेकर भी विरोध जताया। मार्च का नेतृत्व पूर्व मुखिया रामदेव सिंह, मुखिया रामजी यादव, नगर सचिव कृष्णा राम, ललन प्रसाद और रेखा देवी ने किया। कार्यक्रम में माले नेता ललन राम, भगवान दास, शंकर तिवारी, बाबूलाल राम, सुरेन्द्र कुशवाहा, जाबिर कुरैशी, मानरूप, अरविंद यादव, पूजा कुमारी, ऊषा देवी, ददन यादव, यमुना राम और राधेश्याम शर्मा समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भव्य कलश यात्रा के साथ लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का शुभारंभ, जयघोष से गूंजा कोरानसराय

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय स्थित राधेकीर्तन ब्रह्म बाबा परिसर में आयोजित श्री श्री 108 विराट श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के अवसर पर मंगलवार को श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। महायज्ञ के शुभारंभ पर निकाली गई भव्य कलश यात्रा में गांव समेत आसपास के क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कलश यात्रा के दौरान पूरा कोरानसराय क्षेत्र भगवान के जयघोष और भक्ति गीतों से गूंज उठा, जिससे

वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। कलश यात्रा की शुरूआत यज्ञ स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चारण और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद बड़ी संख्या में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर यात्रा में शामिल हुईं। श्रद्धालु महिलाओं की लंबी कतारें आस्था की भव्य तस्वीर पेश कर रही थीं। वहीं पुरुष श्रद्धालु भी भगवान के जयकारे लगाते और भक्ति गीत गाते हुए यात्रा में उत्साह के साथ शामिल रहे। ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ निकली यह भव्य यात्रा गांव के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पूरे कोरानसराय क्षेत्र का भ्रमण करती रही। यात्रा के दौरान रास्ते में जगह-जगह ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया और श्रद्धा भाव से जल, फूल व प्रसाद अर्पित कर आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। कई स्थानों पर लोग घरों के बाहर खड़े होकर कलश यात्रियों का अभिनंदन करते दिखाई दिए। यात्रा गांव के तालाब तक पहुंची, जहां वैदिक परंपरा के अनुसार जलभरी की रस्म संपन्न कराई गई। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से जल भरकर पुनः यज्ञ स्थल की ओर प्रस्थान किया। यज्ञ स्थल पर लौटने के बाद श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन कर महायज्ञ में अपनी आस्था अर्पित की। महायज्ञ के आयोजनकर्ता महंत दीपक तिवारी जी महाराज ने बताया कि यह सात दिवसीय धार्मिक आयोजन 16 मार्च तक चलेगा। इस दौरान प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ उठाएंगे। उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के वाचन के लिए प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) से सुप्रसिद्ध कथावाचिका विदुषी अंजनी गोस्वामी जी को आमंत्रित किया गया है, जो अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगी।

164.87 करोड़ की संभावित आय, सड़क-नाली, जलापूर्ति व सफाई व्यवस्था सुधारने की योजना

डुमरांव नगर परिषद ने पेश किया 2026-27 का बजट आधारभूत सुविधाओं और स्वच्छता पर विशेष जोर

- **बोर्ड बैठक में पार्षदों ने कार्यप्रणाली और गोला बाजार रोड की लाइट व्यवस्था पर उठाए सवाल**

केटी न्यूज/डुमरांव

मंगलवार को नगर परिषद डुमरांव की बोर्ड बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 का वार्षिक बजट पेश किया गया। बैठक की अध्यक्षता उप सभापति विकास ठाकुर ने की जबकि संचालन कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दुबे ने किया। परिषद द्वारा प्रस्तुत बजट में शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने, जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार, स्वच्छता, सड़क-नाली निर्माण तथा शहरी गरीबों के लिए सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है। नगर परिषद प्रशासन के अनुसार बजट को बिहार नगरपालिका अधिनियम 2007 और बिहार नगरपालिका लेखा नियमावली 2014 के प्रावधानों के अनुरूप तैयार किया गया है। परिषद का कहना है कि इस बजट में शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए आय और व्यय का संतुलित खाका पेश किया गया है, ताकि नागरिक सुविधाओं के साथ-

साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा दिया जा सके। बजट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नगर परिषद के पास प्रारंभिक शेष राशि लगभग 40 करोड़ 54 लाख 40 हजार 883 रुपये रहने का अनुमान है। यह राशि पिछले वर्षों की बचत और विभिन्न मदों से प्राप्त निधियों के आधार पर निर्धारित की गई है। इसी राशि के आधार पर आगामी वर्ष की विकास योजनाओं को गति देने की तैयारी की जा रही है। नगर परिषद ने चालू वित्तीय वर्ष में कुल 16487.30 लाख रुपये (लगभग 164.87 करोड़ रुपये) की प्राप्ति का अनुमान लगाया है। इसमें राजस्व प्राप्ति 7835.98 लाख रुपये तथा पूंजीगत प्राप्ति 7043.70 लाख रुपये शामिल हैं। राजस्व प्राप्ति में कर, विभिन्न शुल्क, परिषद की संपत्तियों से मिलने वाला किराया तथा राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं से मिलने वाली राशि शामिल है। वहीं पूंजीगत प्राप्ति में विकास परियोजनाओं के लिए मिलने वाले अनुदान और अन्य स्त्रोतों से प्राप्त राशि को शामिल किया गया है। व्यय के मामले में परिषद ने वर्ष 2026-27 के दौरान कुल 10394.31 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान जताया है। इसमें राजस्व व्यय 5797.40 लाख रुपये तथा पूंजीगत व्यय 4596.91 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। राजस्व व्यय में कर्मचारियों का वेतन, सफाई व्यवस्था, बिजली-पानी तथा अन्य नियमित खर्च शामिल हैं। जबकि पूंजीगत व्यय के तहत सड़क और नाली निर्माण, जलापूर्ति परियोजनाओं तथा अन्य विकास कार्यों पर राशि खर्च की जाएगी। बजट में विशेष रूप से शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने, कचरा प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाने और स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया है। इसके अलावा सड़क और नाली निर्माण व मरम्मत के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। परिषद प्रशासन का कहना है कि शहरी गरीबों के लिए आवास, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं को भी प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र बढ़ाने की दिशा में भी पहल की जाएगी।

बैठक में पार्षदों ने उठाए कई मुद्दे

बजट पेश होने के बाद बोर्ड की बैठक में कई वार्ड पार्षदों ने नगर परिषद की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी जताई। पार्षदों का कहना था कि उनके द्वारा बैठक में उठाए गए कई सवालों को प्रोसीडिंग बुक में दर्ज नहीं किया जाता है। इस पर कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दुबे और कार्यवाहक चेयरमैन विकास कुमार ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने पार्षदों को आश्वस्त किया कि दस दिन बाद फिर से बैठक बुलाकर प्रोसीडिंग बुक की समीक्षा की जाएगी और यदि कोई त्रुटि पाई जाती है तो उसे सुधारा जाएगा। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर भी विस्तारित क्षेत्र के पार्षदों ने एनजीओ पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए चार गार्ड रखने की मंजूरी भी दी गई। इसके अलावा वार्ड 9 के ईदगाह में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई, जिसे आवश्यक मानते हुए प्रोसीडिंग बुक में दर्ज कर लिया गया। पार्षदों ने शहर के मुख्य बाजार गोला बाजार रोड में शाम ढलते ही अंधेरा छा जाने का मुद्दा भी उठाया और वहां पर्याप्त स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की। साथ ही शहर में बढ़ते बंदरों के आतंक से लोगों को निजात दिलाने के लिए भी प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई। नगर भवन परिसर में स्थित दुकानों के किराये में वृद्धि करने का प्रस्ताव भी बैठक में रखा गया। बैठक में सभी वार्ड पार्षद, एनजीओ प्रतिनिधि तथा नगर परिषद के अन्य कर्मी मौजूद रहे। परिषद प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि बजट की राशि का उपयोग पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ किया जाएगा, ताकि डुमरांव शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित नगर के रूप में आगे बढ़ाया जा सके।

एक नजर

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत 29 गर्भवती महिलाओं की हुई निशुल्क जांच

केसठ। प्रखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच के लिए निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं जांच कराने पहुंचीं।शिविर का नेतृत्व पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनय कुमार ने किया। इस दौरान चिकित्सकों और एएनएम की टीम ने कुल 29 गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच की। जांच के दौरान महिलाओं का ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन , शुगर लेवल, एचआईवी जांच, वजन सहित अन्य आवश्यक जांच की गई। मौके पर चिकित्सकों ने गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान होने वाली गंभीर बीमारियों के लक्षण, उनसे बचाव के उपाय तथा समय पर दवा लेने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्हें पौष्टिक आहार, नियमित जांच और सरकारी निशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में भी जागरूक किया गया। जरूरत के अनुसार गर्भवती महिलाओं को अस्पताल से आयरन और कैल्शियम की दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं।इस मौके पर डॉ. कमलेश कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक आनंद प्रकाश, रंजू कुमारी, विनोद कुमार, विक्की कुमार समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

बक्सर में चापाकल मरम्मति अभियान की शुरूआत, डीएम ने टीमों को दिखाई हरी झंडी

बक्सर। जिले में खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत को लेकर लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बक्सर द्वारा विशेष अभियान की शुरूआत कर दी गई है। इसी क्रम में मंगलवार को समाहरणालय परिसर से जिलाधिकारी साहिला ने चापाकल मरम्मति दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पहल का उद्देश्य जिले के विभिन्न प्रखंडों में खराब पड़े चापाकलों की शीघ्र मरम्मत कर आम लोगों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के दौरान डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में स्थापित चापाकलों की नियमित निगरानी करते हुए खराब पड़े चापाकलों को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त कराया जाए, ताकि गर्मी के मौसम में लोगों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में चापाकल पेयजल का प्रमुख स्त्रोत हैं, इसलिए इनकी समय पर मरम्मत और रखरखाव बेहद जरूरी है। लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बक्सर के अंतर्गत जिले के सभी प्रखंडों में चापाकल मरम्मत कार्य को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए कुल 11 चापाकल मरम्मति दलों का गठन किया गया है। ये दल प्रखंडवार कार्य करेंगे और अपने-अपने क्षेत्रों में खराब पड़े चापाकलों की पहचान कर उनकी मरम्मत करेंगे। इसके अलावा आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बक्सर के कार्यालय कक्ष में एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम के दूरभाष संख्या 06183-295053 पर संपर्क कर लोग अपने क्षेत्र के खराब चापाकलों की जानकारी दे सकते हैं। प्राप्त शिकायतों के आधार पर संबंधित मरम्मति दल को तत्काल कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा। लोग अपने प्रखंड के कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बक्सर से भी संपर्क कर चापाकलों से जुड़ी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस मौके पर अपर समाहर्ता बक्सर, कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बक्सर सहित सभी सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता उपस्थित थे। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि जिले में पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए मरम्मत कार्य लगातार जारी रहेगा।

टायर फटते ही अनियंत्रित हुई बोलेरो, ट्रैक्टर से टकराकर खाई में गिरी; महिला समेत सात घायल

केटी न्यूज/चौसा

चौसा-मोहनिया मुख्य मार्ग पर मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब तेज रफ्तार बोलेरो का टायर अचानक फटने से वाहन अनियंत्रित हो गया। अनियंत्रित बोलेरो पहले सड़क पर चल रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई और फिर सड़क किनारे खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में महिला समेत सात लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार, इटाढ़ी थाना क्षेत्र के अतरौना गांव निवासी ददन चौधरी की पुत्री के विवाह को लेकर मोहनिया स्थित एक मंदिर में देखा-देखी का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद परिवार के सदस्य बोलेरो वाहन से वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान चौसा-मोहनिया मार्ग पर राजपुर थाना क्षेत्र के रोहनिभान गांव के पास अचानक बोलेरो का टायर फट गया। टायर फटने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बोलेरो अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रैक्टर की ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर के बाद वाहन सड़क किनारे गहरी खाई में पलटते हुए जा गिरा।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और बोलेरो में फंसे घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। घायलों में अतरौना गांव निवासी छोटक चौधरी की पत्नी रीता देवी (45) और उनकी 14 वर्षीय पुत्री ज्योति कुमारी, अशोक कुमार सिंह के पुत्र अमित कुमार (28), ददन चौधरी की पत्नी संतरा देवी (45) और उनकी पुत्री प्रभावती कुमारी (18), रमेश कुमार की पत्नी रानी कुमारी (26) तथा उत्तर प्रदेश के गहमर निवासी वीरेंद्र चौधरी (38) शामिल हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और दुर्घटना की जानकारी जुटाने में लग गई। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है और उनकी स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है।

तेज रफ्तार का कहर : ठोरा के पास आमने-सामने टकराई दो बाइक, दो युवक गंभीर रूप से घायल

केटी न्यूज/चौसा

बक्सरझ्चौसा मुख्य मार्ग पर मंगलवार की अहले सुबह तेज रफ्तार ने एक बार फिर कहर बरपा दिया। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ठोरा गांव के समीप आमने-सामने से आ रही दो बाइकों की जोरदार टक्कर में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबह करीब तीन बजे हुआ, जब सड़क लगभग सुनसान थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए और कुछ देर तक सड़क किनारे ही पड़े रहे।

मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना के समय दोनों बाइक तेज

रफ्तार में थीं। ठोरा गांव के समीप अचानक दोनों बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जोरदार टक्कर के कारण बाइक सवार दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद कुछ समय तक मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति रही।

इसी बीच इलाके में गश्ती कर रही पुलिस की नजर सड़क किनारे पड़े घायलों पर पड़ी। पुलिसकर्मियों ने तत्काल मानवता का परिचय देते हुए बिना समय गंवाए दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए बक्सर सदर अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में चिकित्सकों की टीम द्वारा दोनों का इलाज किया जा रहा है।

मुफस्सिल अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के न्यायीपुर गांव निवासी 47 वर्षीय मनोज पासवान और मल्लाह चकिया गांव निवासी 30 वर्षीय हिमांशु चौधरी के रूप में हुई है। दोनों को इलाज के लिए तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति पर डॉक्टरों की नजर बनी हुई है।

बताया जा रहा है कि मनोज पासवान किसी वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर देर रात अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान ठोरा गांव के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों बाइकों को भी काफी नुकसान पहुंचा है।

पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर रात के समय तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ऐसे में सड़क पर सतर्कता और गति नियंत्रण बेहद जरूरी है।

दुल्हपुर मार्ग का नाम स्व. पारस पांडेय के नाम पर होगा : विजय मिश्र

- **नियाजीपुर में श्रद्धांजलि सभा में उमड़ा जनसैलाब, भाजपा नेताओं ने दिवंगत नेता के व्यक्तित्व-कृतित्व को किया याद**

केटी न्यूज/डुमरांव

दियारा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता स्वर्गीय पारस पांडेय की स्मृति में सोमवार की शाम नियाजीपुर गांव में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीण उपस्थित हुए और दिवंगत नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय मिश्र ने स्व. पांडेय को याद करते हुए कहा कि दुल्हपुर गांव जाने वाले मार्ग का नामकरण स्वर्गीय पारस पांडेय के नाम पर हर हाल में कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र उनके योगदान को कभी नहीं भूल सकता।

विजय मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि स्व. पारस पांडेय दियारा क्षेत्र में भाजपा संगठन के मजबूत स्तंभ थे। उनका पूरा जीवन संगठन और समाज सेवा को समर्पित रहा। वे कार्यकताओं के साथ परिवार जैसा व्यवहार करते थे और हर छोटे-बड़े कार्यकर्ता की चिंता करते थे। उनके निधन से न केवल पार्टी बल्कि पूरे क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसे समर्पित और कर्मठ नेता की स्मृति को सहेजना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसी भावना से दुल्हपुर मार्ग का नाम उनके नाम पर रखने की पहल की जाएगी, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी उनके योगदान को याद रख सकें। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित अन्य भाजपा नेताओं ने भी स्व. पारस पांडेय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें सादगी, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा का प्रतीक बताया। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने हमेशा पार्टी को मजबूत बनाने और समाज के अंतिम

व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया। क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता और कार्यशैली आज भी लोगों के बीच मिसाल के रूप में याद की जाती है।

सभा को भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन, जिला महामंत्री विनोद राय, पूर्व जिलाध्यक्ष राणा प्रताप सिंह, ललन राय, राजा राम पांडेय, जितेंद्र दूबे, बजरंगी तिवारी सहित कई नेताओं ने संबोधित किया और दिवंगत नेता के साथ बिताए अपने अनुभव साझा किए। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि स्व. पारस पांडेय का जीवन कार्यकताओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस अवसर पर अशोक लाल, मनोज सिंह, श्रीभगवान सिंह ह्यत्यागीह्न, अतीश लाल, बंशी पांडेय, अनु तिवारी, दयाशंकर तिवारी, त्रिलोकी पांडेय, संतोष ठाकुर, श्रीकांत तिवारी, भूटेली तिवारी, बुआ तिवारी, नंदलाल पंडित, लखी नारायण पाठक, धीरज पाठक, सत्येंद्र ठाकुर, सुनील पांडेय, रोहित लाल, अजीत सिंह, बसंत राय, अजय पाठक, मनु पांडेय, दयाशंकर पांडेय, वाल्मीकि राय और जगनारायण राय सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभा के अंत में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर स्वर्गीय पारस पांडेय की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

सिंचाई पर संकटः ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी से किसानों की बढ़ी मुश्किलें

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

स्थानीय थाना क्षेत्र में बिजली ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी की घटनाओं ने अब किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों की पटवन के लिए लगाए गए ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाकर अज्ञात चोर लगातार तेल निकाल रहे हैं, जिससे न केवल बिजली विभाग को आर्थिक नुकसान हो रहा है बल्कि किसानों की सिंचाई व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए बिजली विभाग के अधिकारी के बयान पर स्थानीय थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में अब तक नौ बिजली ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी की पुष्टि हुई है। इस संबंध में विद्युत आपूर्ति प्रशाखा ब्रह्मपुर के कनीय अभियंता अमित कुमार राय के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विभाग का कहना है कि ट्रांसफार्मर से तेल चोरी होने से बिजली आपूर्ति व्यवस्था बाधित होती है और उसे दुरुस्त करने में विभाग को अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। वहीं ग्रामीणों और किसानों का कहना है कि चोरी की घटनाएं केवल नौ ट्रांसफार्मरों तक सीमित नहीं हैं। उनके अनुसार क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी होने की शिकायत मिल चुकी है, लेकिन सभी मामलों में प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है। किसानों का कहना है कि ट्रांसफार्मर से तेल निकाल लेने के कारण मोटर चलना बंद हो जाता है, जिससे खेतों की सिंचाई प्रभावित हो रही है और फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। ग्रामीणों का यह भी मानना है कि यह काम किसी पेशेवर और संगठित गिरोह का हो सकता है, क्योंकि ट्रांसफार्मर से तेल निकालना सामान्य व्यक्ति के लिए आसान नहीं है। इसके लिए तकनीकी जानकारी और उपकरणों की आवश्यकता होती है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि चोरी के पीछे ऐसे लोग हो सकते हैं जिन्हें ट्रांसफार्मर और उसके उपयोग की अच्छी जानकारी है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मामले की गहन जांच कर चोरी में शामिल गिरोह का खुलासा करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो आने वाले दिनों में किसानों की सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो सकती है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पैन-आधार के फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन में 115 करोड़ का नोटिस

एजेंसी। रोहतास

जिला मुख्यालय सासाराम में पैन और आधार कार्ड के कथित दुरुपयोग का गंभीर मामला सामने आया है। अज्ञात व्यक्तियों ने स्थानीय व्यवसायी गालिब इमाम के दस्तावेजों का इस्तेमाल कर फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन करा लिया और करोड़ों रुपये के कारोबार का विवरण दर्ज कर दिया। इसके बाद आयकर विभाग की ओर से उन्हें भारी-भरकम लेनदेन से जुड़े नोटिस मिलने लगे। इस संबंध में पीड़ित व्यवसायी एवं फोटोस्टेट दुकानदार गालिब इमाम ने सासाराम नगर थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ

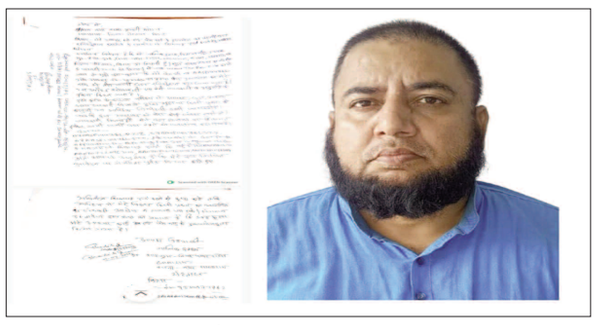

प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज शिकायत में उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्राथमिकी के अनुसार अज्ञात व्यक्तियों ने उनके पैन और आधार कार्ड का दुरुपयोग कर तीन फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन करा लिए। इन रजिस्ट्रेशन के माध्यम से करीब 115 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार दशार्या गया है, जबकि पीड़ित का इस प्रकार के किसी भी व्यापार से कोई संबंध नहीं है। अड्डा रोड निवासी गालिब इमाम सासाराम में एक छोटी सी फोटोस्टेट की दुकान चलाते हैं और इसी से अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनका कहना है कि उन्होंने कभी किसी बड़े व्यापार या कंपनी का संचालन नहीं किया। करोड़ों रुपये के कथित लेनदेन से जुड़े नोटिस मिलने के बाद ही उन्हें पूरे मामले की जानकारी हुई। गालिब इमाम के अनुसार हाल के दिनों में आयकर विभाग की ओर से कई नोटिस प्राप्त हुए हैं। इनमें 5 फरवरी को सासाराम स्थित आयकर कार्यालय से 1,10,93,13,901 रुपये के कथित लेनदेन से संबंधित नोटिस भी शामिल है। इसके अलावा देश के विभिन्न शहरों से भी उनसे जुड़े लेनदेन को लेकर नोटिस भेजे गए हैं। पीड़ित ने बताया कि शिलांग (मोरेगांव) से सैयदा अफिजया के पैन कार्ड से जुड़े 4,42,93,333 रुपये के लेनदेन का नोटिस मिला है, जबकि भोपाल से दादूलाल गुप्ता के नाम से संबंधित एक अन्य नोटिस भी प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त दिल्ली से अलग-अलग नामों से पांच अन्य नोटिस भी भेजे गए हैं। लगातार मिल रहे नोटिसों से गालिब इमाम मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हैं। उनका कहना है कि एक छोटे दुकानदार के लिए इस तरह के करोड़ों रुपये के लेनदेन की कल्पना भी संभव नहीं है। इस मामले में एफआईआर संख्या 154/26 जो 1 मार्च 2026 को सासाराम नगर थाना में दर्ज की गई है। पीड़ित ने प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि उनके नाम पर हुए फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन को तत्काल निरस्त किया जाए, पूरे मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उन्हें फर्जी आयकर नोटिसों से राहत दिलाई जाए। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इनमें 434.469 करोड़ रुपये की 84 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है, जबकि 134.8987 करोड़ रुपये की 129 योजनाओं का उद्घाटन किया

समृद्धि यात्रा के तीसरे चरण की शुरूआत, निर्मली पहुंच मुख्यमंत्री नीतीश ने दी 569 करोड़ की सौगत

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के तीसरे चरण की मंगलवार को शुरूआत की। इसके तहत वह सुपौल जिले के निर्मली पहुंचे। राज्यसभा नामांकन के बाद मुख्यमंत्री ने यहां पहला बड़ा कार्यक्रम किया। मुख्यमंत्री सुबह 10:45 बजे वह निर्मली अनुमंडल कार्यालय परिसर में बने हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर से पहुंचें। इसके बाद पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्मली स्थित रिंग बांध जीर्णोद्धार कार्य और अनुमंडल कार्यालय परिसर में लगे स्टॉल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही जिले के विकास से जुड़ी विभिन्न विभागों की कुल 569.3677 करोड़ रुपये की 213 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें 434.469 करोड़ रुपये की 84 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है, जबकि 134.8987 करोड़ रुपये की 129 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री निर्मली अनुमंडल सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में शामिल हुए। इसके बाद वह जनसवंद में शामिल हुए।इसके बाद दोपहर 1:22 बजे हेलीकॉप्टर से मधेपुरा के लिए प्रस्थान करेंगे। इस तरह सुबह 10:45 बजे से दोपहर 1:22 बजे तक कुल दो घंटे 37 मिनट मुख्यमंत्री निर्मली में रहेंगे। इधर, मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिले में प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सोमवार को निर्मली में डीएम सावन कुमार और एसपी शरथ आरएस की संयुक्त अध्यक्षता में अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान डीएम ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से संबंधित रूट चार्ट, आगमन-प्रस्थान की व्यवस्था, सभा स्थल की तैयारी, यातायात नियंत्रण, वीआईपी मूवमेंट और प्रशासनिक समन्वय से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी विभागों के अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और सजगता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। कार्यक्रम से संबंधित किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, बैठक स्थल, पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पेयजल, चिकित्सा सुविधा और साफ-सफाई सहित सभी व्यवस्थाओं को समय रहते पूर्ण कर लिया जाए। साथ ही सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने और हर बिंदु पर सतर्क रहने का निर्देश दिया।

सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की न हो ढिलाई : एसपी

वहीं, एसपी शरथ आरएस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहनी चाहिए। कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड और रूट लाइन में तैनात पुलिस पदाधिकारी और जवान पूरी तरह सक्रिय रहें। उन्होंने कहा कि भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक मैनेजमेंट और वीआईपी सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। सभी पुलिस पदाधिकारी अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाएं और किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। बैठक के दौरान कार्यक्रम से जुड़े विभिन्न प्रशासनिक और सुरक्षा पहलुओं की बारीकी से समीक्षा की गई।

पुलिस ने वाहन जांच में 272 लीटर शराब किया बरामद, चार तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर मद्यनिषेध विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के खिलाफ लगातार छापेमारी और वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त मद्यनिषेध भोजपुर रजनीश के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। दिनांक 9 मार्च को वाहन जांच के दौरान पंजीकरण नंबर की एक मारुति सुजुकी वैन से 155.520 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। वहीं एक एक्सयूवी 500 कार से 117.000 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। इस कार्रवाई में पुलिस ने चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में विपिन कुमार निवासी हुस्सेनपुर पचरुखिया, थाना साहेबगंज, जिला मुजफ्फरपुर। चंदन कुमार निवासी राजवाड़ा, थाना मुसहरी,जिला मुजफ्फरपुर। मुन्ना

कुमार निवासी मालपुर, थाना ताजपुर हरहर ओपी, जिला समस्तीपुर। और प्रशांत कुमार निवासी जटमलपुर, थाना कल्याणपुर, जिला समस्तीपुर शामिल हैं। दोनों वाहनों से ऑफिसर्स चॉइस ओरिजिनल व्हिस्की की कुल 1514 बोतलें बरामद की गईं, जिसकी कुल मात्रा 272.520 लीटर है। जब्त शराब का बाजार मूल्य लगभग चार लाख रुपये आंका गया है। मद्यनिषेध विभाग के अनुसार यह शराब उत्तर प्रदेश से हाजीपुर और पटना ले जाई जा रही थी। गिरफ्तार तस्करों को आगे की कार्रवाई के लिए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है। छापेमारी दल में निरीक्षक प्रकाश चंद्र,अवर निरीक्षक शिवम कुमार झा, सहायक अवर निरीक्षक रवि कुमार, सहायक अवर निरीक्षक राज कुमार राजा सहित मद्यनिषेध विभाग, सैप और होमगार्ड के जवान शामिल थे। जबकि मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

टी20 विश्व कप में भारत की जीत पर हिन्दू और मुस्लिम आपस में भिड़े, 9 गिरफ्तार

- 4 वर्षों से बंद पड़ा था बेस कैंप,चोरों ने मौका देख किया चोरी

केटी न्यूज/नवादा

रजौली के खरौंद से कोडरमा तक रेलवे लाइन का काम कर रहे के एल डी कंपनी के चार वर्षों से बंद पड़े बेस कैंप से चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए करोड़ों रुपये के सामान की चोरी कर ले भागा है। मामले का खुलासा तब हुआ जब साइट के मालिक ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। चोरी की इस घटना से इलाके में हड़-कंप मच गया है।कंपनी के सीएमडी करुणेश द्विवेदी ने बताया कि उनका रेलवे साइड पिछले चार वर्षों से बंद पड़ा हुआ था। साइट की सुरक्षा के लिए वहां दो गार्ड तैनात किए गए थे। लेकिन पिछले कुछ दिनों से दोनों गार्डों का मोबाइल फोन बंद आ रहा था। उन्होंने कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन गार्डों ने कोई जवाब देना भी उचित नहीं समझा। जब करुणेश द्विवेदी स्वयं साइट पर

पहुंचे तो वहां का नजारा देखकर हैरान रह गए। चोरों ने मौके से कई मोटरसाइकिल के इंजन, टायर, पिकअप गाड़ी के टायर, जनरेटर, डीजल इंजन के पार्ट्स सहित कई कीमती उपकरण चोरी कर लिए । इसके अलावा लाखों रुपये मूल्य का सरिया और कई इलेक्ट्रॉनिक मशीनें भी गायब पाई गईं।उन्होंने बताया कि साइट से बड़ी मात्रा में सामान चोरी हो चुका है और प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों से लेकर करोड़ों रुपये तक का नुकसान हो सकता है। अभी पूरी तरह से नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इसके बाद संबंधित थाने में लिखित आवेदन देकर मामले की शिकायत दर्ज कराई जाएगी। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रहती तो इतनी बड़ी चोरी की घटना नहीं होती।फिलहाल नुकसान का पूरा आंकलन करने के बाद पुलिस को आवेदन देने की तैयारी की जा रही है। जिसके बाद मामले की जांच शुरू होने की संभावना है।

ट्रेन में गुटखा-सिगरेट बेचा तो सीधे जाएंगे जेल, रेलवे ने जारी किया आदेश

एजेंसी। पटना

भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक सख्त कदम उठाया है। रेलवे बोर्ड के निदेशक लव शुक्ला के आदेश पर देशभर के सभी जोनल रेलवे में आज से 'ज्वाइंट फोर्टनाइट ड्राइव' यानी 15 दिवसीय संयुक्त अभियान शुरू कर दिया गया है। लगातार मिलने वाली शिकायतों के बाद रेलवे ने स्पष्ट कर दिया है कि अब ट्रेनों में अवैध रूप से नशीले पदार्थों की बिक्री पर कोई रियायत नहीं होगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों को सीधे जेल भेजा जाएगा। इस अभियान की सबसे खास बात यह है कि इसे सिर्फ औपचारिकता नहीं माना गया है। रेलवे ने तीन प्रमुख विभागों–मैकेनिकल, कमर्शियल और रेलवे सुरक्षा बल (फ्ढत्र)–का एक संयुक्त मोर्चा तैयार किया है। इस टीम का काम केवल ट्रेनों के कोचों की तलाशी लेना नहीं है, बल्कि पेंट्री कारों और वेंडिंग यूनिट्स की भी अचानक और गहन जांच करना है। यदि किसी स्थान पर सिगरेट, गुटखा, तंबाकू या शराब का स्टॉक पाया जाता है, तो मौके पर ही कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। रेलवे बोर्ड ने इस बार अपने ऑनबोर्ड स्टाफ पर भी कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया है। हाउसकीपिंग, लिनेन स्टाफ और पैंट्री कार कर्मचारियों को जांच के दायरे में लाया गया है। कई बार देखा गया है कि आधिकारिक स्टाफ की मिलीभगत से ट्रेनों में प्रतिबंधित सामग्री पहुंचती है। नए आदेश के अनुसार, यदि कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है, तो उसे तुरंत बर्खास्त किया जाएगा और संबंधित एजेंसी को हमेशा के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। इस विशेष अभियान की सबसे अहम कड़ी यात्रियों की भूमिका है। जांच के दौरान अधिकारी यात्रियों से संवाद करेंगे और ऑनबोर्ड स्टाफ की गतिविधियों पर उनका फीडबैक लेंगे। यदि कोई यात्री शिकायत करता है कि उसे स्टाफ द्वारा सिगरेट या गुटखा ऑफर किया गया या किसी ने उसके सामने नशा किया, तो उस पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। यात्रियों की गवाही को कार्रवाई का मुख्य आधार बनाया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि अभियान पूरी तरह प्रभावी हो। रेलवे ने सभी जोनल रेलवे को निर्देश दिया है कि वे हर दिन की गई छापेमारी, पकड़े गए सामान और गिरफ्तारी की विस्तृत रिपोर्ट सीधे बोर्ड को सौंपें। पकड़े गए व्यक्तियों के खिलाफ न केवल विभागीय कार्रवाई होगी, बल्कि आपराधिक मामले भी दर्ज किए जाएंगे। इस पहल से माफियाओं में हड़कंप मचा है और आम यात्रियों के लिए सफर अब अधिक सुरक्षित होने की उम्मीद जगी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह का सघन अभियान न केवल अवैध गतिविधियों को रोकने में मदद करेगा, बल्कि ट्रेनों के अंदर सुरक्षा और यात्री विश्वास भी बढ़ाएगा। पिछले कुछ वर्षों में कई यात्रियों की शिकायतों के बाद रेलवे ने यह फैसला लिया है कि अब किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रेलवे बोर्ड ने साफ कर दिया है कि यह अभियान केवल शुरूआत है। भविष्य में नियमित और अचानक छापेमारी के साथ-साथ ऑनबोर्ड स्टाफ की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी।

रजौली : अनुमंडल मुख्यालय में बस स्टैंड के अभाव यात्री परेशान

केटी न्यूज/रजौली

रजौली को अनुमंडल क्षेत्र का दर्जा मिले करीब 34वर्ष बीत चुके है। लेकिन यह आज भी बुनियादी यात्री सुविधाओं के लिए तरस रहा है। यह अनुमंडल के लिए दुर्भाग्य है कि सरकार और स्थानीय प्रशासन की घोर शिथिलता और उदासीनता के कारण अबतक यहां एक स्थाई क्रियाशील यात्री बस स्टैंड का निर्माण नहीं हुआ है। जिसके कारण यात्रियों को प्रतिदिन परेशानियों से गुजरना पड़ता है। स्थाई बस स्टैंड नहीं होने से सीधा इसका असर क्षेत्र की यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा है। जहां बस टेम्पो ई-रिक्शा और अन्य यात्री वाहनों के लिए कोई निर्धारित और संगठित पार्किंग सुविधा नहीं है। परिणाम स्वरूप वाहनों के लिए चालकों को मजबूरी वश बसों और अन्य गाड़ियों को अंडरपास या मुख्य सड़क के इर्द-गिर्द ही खड़ा करना पड़ता है। यह अनधिकृत पार्किंग न केवल यातायात को बाधित करती है बल्कि यह सड़क दुर्घटनाओं के भी प्रबल करता है। सड़क किनारे मनमाने ढंग से खड़े वाहन यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सोचनीय बात है कि रजौली में बस स्टैंड की भौगोलिक संरचना न होने के बावजूद इनके संचालन के नाम पर ठेकेदारी दे दी गई है। जो केवल अवैध शुल्क वसूलने का एक जरिया बन गया है। जो यात्रियों के लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। दूसरी तरफ अतिक्रमणकारी भी अपनी मनमानी में पीछे नहीं हैं। जिसके कारण शहर में स्वच्छता की स्थिति भी बदतर हो गई है। क्षेत्र में सबसे बड़ी समस्या शौचालय और मूत्रालय की है। स्थानीय निवासी व राहगीर कहते हैं कि बस स्टैंड जैसी सार्वजनिक जगह पर इन अत्यंत आवश्यक सुविधाओं की कोई व्यवस्था नहीं होने से महिला शर्मसार होना पड़ता है। जिसके लिए उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ता है। यह स्थिति न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए एक बड़ा खतरा है। जो समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। रजौली में सरकारी बस पड़वा एनएच की जमीन पर है,जिसका संचालन संभव नहीं हो पा रहा है।

क्या कहते हैं अधिकारी : अंचलाधिकारी सह नगर पंचायत प्रभारी कार्यपालक पदाधिकारी गुफरान मजहरी ने कहा कि रजौली में पूर्व से चला आ रहा है बस पड़वा जिला परिषद के अधीन है। जिला परिषद द्वारा डाक नहीं हो पाने के कारण स्टैंड बीडीओ के निर्देशन में विभागीय वसूली करने का निर्देश जिला परिषद से स्थानीय रूप से मिला हुआ था। उन्होंने कहा कि बस पड़ाव के लिए जमीन चिन्हित कर सिमरकोल के समीप किया गया है। जो बस स्टैंड के जल्द नवनिर्मित होगा।

एक नजर

पूर्व सांसद का बिक्रमगंज में हुआ स्वागत

बिक्रमगंज। पूर्व सांसद आनंद मोहन की जेल से रिहाई होते ही समर्थकों में खुशी की लहर है। इसके बाद पूर्व सांसद ने विभिन्न क्षेत्रों में दौरा करते लोगों से मुलाकात करते दिख रहें है। इस दौरान समर्थकों और ग्रामीणों द्वारा कई मौकों पर पूर्व सांसद का भव्य स्वागत किया गया है। इसी क्रम में सोमवार को जदयू कार्यकताओं ने सासाराम रोड़ में आनंद मोहन का फूल-माला पहना गर्मजोशी से उनका भव्य स्वागत किया। कार्यकताओं ने कहा कि दिनारा थाना क्षेत्र के घोड़वछ गांव में मातमपुर्सी में जाने के क्रम में पूर्व सांसद आनंद मोहन के आगमन की सूचना मिलते ही शहर के एचडीएफसी बैंक समीप जदयू कार्यकर्ताओं ने जोरदार अभिनंदन किया। मौके पर समाजसेवी लाल बिहारी सिंह, जदयू प्रदेश सचिव कुमुद रंजन सिंह पिंटू ,मोइनुद्दीन हुसैन,आनंद रजक, संजय वर्मा,अरविंद पटेल, इरशाद खान, राजू सिंह, बिमल मुखिया, सुरेश चौधरी, डब्लू सिंह, पंकज पटेल, धीरज सिंह, प्रियांशु सिंह मौजूद थे।

विश्व कप में भारत की जीत पर हिन्दू और मुस्लिम आपस में भिड़े, 9 गिरफ्तार

राजपुर। विश्व कप क्रिकेट मैच में भारत की जीत पर पटाखों की आवाज से हुई मामूली नाराजगी ने राजपुर बजार में झड़प को जन्म दिया, लेकिन ग्रामीणों और गिरफ्तार युवाओं ने एकजुट होकर सांप्रदायिक सौहार्द का पैगाम दिया। जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर 9 लोगों को गिरफ्तार किया। जिसके बाद बाजार पर पहुंच एसडीएम प्रभात कुमार ने लोगों समझाते हुए शांतिपूर्ण संयम बरतने को कहा। घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि रविवार की रात करीब 11 बजे थाना क्षेत्र के पुरानी मस्जिद के पास तरावीह के दौरान भारत बनाम न्यूजीलैंड विश्व कप क्रिकेट के फाइनल में भारत के जीत की खुशी में लोग पटाखे छोड़ रहे थे। जिससे मस्जिद में मौजूद मुस्लिम समाज के युवाओं को खलल बात करते हुए दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। जिसके बाद 112 पुलिस पहुंचते ही भीड़ आक्रामक हो गई। जिसमें वाहन को उपद्रवियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष उमुस सलमा ने बताया कि मो.सलीम, मो. नौशाद, मो. खुशनवाज, मो. कलीम और अनिल गुप्ता, दुर्गा गुप्ता, पिंटू गुप्ता, आनंद गुप्ता, अजय कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। दूसरी तरफ सोमवार को एसडीएम के समक्ष पैक्स अध्यक्ष शोभनाथ गुप्ता, बीडीसी सुमेश्वर सिंह यादव, मुखिया प्रतिनिधि सतीश कुमार सिंह, मुहर्रम कमेटी अध्यक्ष मो. गुड्डू आलम और मो. मंसूर आलम समेत ग्रामीणों ने कहा कि राजपुर में हिंदू-मुस्लिम भाईचारा प्रेम के साथ ईद-होली एक साथ मनाते हैं। जबकि एसडीएम प्रभात कुमार ने घटनास्थल का जायजा लेते हुए सीसीटीवी खंगाल निष्पक्ष कर्रवाई में जुट गई है।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने पीएचडी परीक्षा का जारी किया एडमिट कार्ड

आरा। वीर सिंह विश्वविद्यालय,आरा में पीएचडी प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली प्री-एंट्रेंस टेस्ट परीक्षा का एडमिट कार्ड जारी कर दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अभ्यर्थियों को सूचना देते हुए बताया कि सभी उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने आवेदन संख्या और जन्मतिथि के माध्यम से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के अनुसार पीईटी परीक्षा के सफल और पारदर्शी आयोजन को लेकर सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा के लिए विभिन्न परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जहां अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा, प्रश्नपत्र की गोपनीयता तथा निगरानी के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों को निर्देश दिया है कि वे परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पहले पहुंचें। साथ ही एडमिट कार्ड के साथ एक वैध पहचान पत्र लेकर आना अनिवार्य होगा। बिना एडमिट कार्ड के किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना भी अनिवार्य होगा। परीक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पीईटी परीक्षा के माध्यम से विभिन्न विषयों में पीएचडी में प्रवेश के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। लिखित परीक्षा के बाद सफल अभ्यर्थियों को आगे की चयन प्रक्रिया, जैसे साक्षात्कार आदि के लिए बुलाया जाएगा। परीक्षा को निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षक, उड़नदस्ता दल तथा तकनीकी टीम की तैनाती की गई है। किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था भी की गई है। जबकि पीईटी परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों में उत्साह देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में छात्रों ने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है और अब वे परीक्षा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित की जाएगी।

मोबाइल छीन भाग रहे चोर को ग्रामीणों ने दबोच पुलिस को सौंपा

सूर्यपुरा। थाना क्षेत्र के कल्याणी मोड़ के पास मोबाइल छीन कर भाग रहे एक युवक को ग्रामीणों ने पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जाता है कि युवक ने वहां मौजूद कुछ बालिकाओं से मोबाइल छीनने की कोशिश की और मौके से भागने लगा। जिसके बाद शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीणों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक इंजेक्शन भी बरामद हुआ है, जिससे लोगों में तरह-तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए युवक को बाद में सूर्यपुरा थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संदर्भ में पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है।

वाल्मीकिनगर एयरपोर्ट के विकास के लिए 38.64 करोड़ का टेंडर जारी, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दी जानकारी

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी है कि वाल्मीकिनगर हवाई अड्डे के विकास और उन्नयन के लिए 38.64 करोड़ रुपये की लागत से टेंडर जारी किया गया है। इस परियोजना के तहत टर्मिनल भवन, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर और फायर स्टेशन सहित कई आधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से वाल्मीकिनगर एयरपोर्ट को लेकर बड़ी जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि वाल्मीकिनगर हवाई अड्डे के विकास और उन्नयन के लिए 38.64 करोड़ की लागत से टेंडर जारी किया गया है। इस परियोजना के तहत एयरपोर्ट पर कई आधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में हवाई संपर्क को नई गति मिलेगी।एयरपोर्ट पर बनेंगी आधुनिक सुविधाएं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत टर्मिनल भवन, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर और फायर स्टेशन सहित कई आधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इन सुविधाओं के विकसित होने से वाल्मीकिनगर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर हवाई सेवाएं मिल सकेंगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि एनडीए सरकार के संकल्प के साथ राज्य में उड्डयन क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। इससे न केवल हवाई संपर्क मजबूत होगा, बल्कि विकास, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद वाल्मीकिनगर क्षेत्र को विकास की नई दिशा मिलेगी और राज्य में हवाई सेवाओं का दायरा और व्यापक होगा।

एयरपोर्ट पर बनेंगी आधुनिक सुविधाएं

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत टर्मिनल भवन, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर और फायर स्टेशन सहित कई आधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इन सुविधाओं के विकसित होने से वाल्मीकिनगर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर हवाई सेवाएं मिल सकेंगी।

दिसंबर 2027 तक हर हाल में बिहार में पूरा होगा भूमि सर्वेक्षण राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किया ऐलान

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री ने ऐलान किया है कि दिसंबर 2027 तक बिहार में भूमि सर्वेक्षण का कार्य हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। सर्वेक्षण पूरा होने से राज्य में भूमि अभिलेख पूरी तरह अद्यतन और पारदर्शी हो जाएंगे, जिससे आम लोगों को जमीन से जुड़े विवादों से काफी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि बिहार में चल रहे विशेष भूमि सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य में चल रहे विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए 13 मार्च को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना के सभा कक्ष में दोपहर 2:00 बजे आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री सह मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग विजय कुमार सिन्हा करेंगे।भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के निदेशक सुहर्ष भगत द्वारा जारी पत्र के अनुसार, इस बैठक में राज्य के सभी जिलों के बंदोबस्त पदाधिकारी अपने-अपने जिलों में चल रहे विशेष सर्वेक्षण कार्यों की अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन के साथ उपस्थित रहेंगे। बैठक में निदेशालय द्वारा 7 जनवरी 2026 को स्वीकृत कार्य-योजना के अनुरूप कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही पिछली बैठक के बाद हुई प्रगति का आकलन किया जाएगा तथा जिन जिलों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है, उनकी विशेष समीक्षा की जाएगी। समीक्षा बैठक में प्रथम चरण के 20 जिलों में खानापुरी से लेकर प्रपत्र-20 तक के कार्यों की अद्यतन स्थिति, अंतिम अधिकार अभिलेख के प्रकाशन के विरुद्ध प्रपत्र-21 में प्राप्त दावों और आक्षेपों के निपटारे की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा होगी। इसके अलावा द्वितीय चरण के 18 जिलों में त्रिसीमाना निर्धारण, ग्राम सीमा सत्यापन तथा किस्तवार कार्यों की प्रगति का भी आकलन किया जाएगा। बैठक में ईटीएस मशीनों और आवश्यक मानव बल की उपलब्धता की भी समीक्षा की जाएगी, ताकि सर्वेक्षण कार्यों को गति मिल सके। निदेशक ने सभी बंदोबस्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे निर्धारित तिथि को ससमय बैठक में उपस्थित होकर अपने-अपने जिलों की अद्यतन प्रगति की जानकारी प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। इस समीक्षा बैठक में सर्वेक्षण कार्यों की गति तेज करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। वही इस संबंध में विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि राज्य में चल रहे विशेष भूमि सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि दिसंबर 2027 तक बिहार में भूमि सर्वेक्षण का कार्य हर हाल में पूरा किया जाएगा। भूमि सर्वेक्षण पूरा होने से राज्य में भूमि अभिलेख पूरी तरह अद्यतन और पारदर्शी हो जाएंगे, जिससे आम लोगों को जमीन से जुड़े विवादों से काफी राहत मिलेगी। सर्वेक्षण के कार्य को गति प्रदान करने के उद्देश्य से ही समीक्षा बैठक बुलाई गई है। इस दौरान हरेक मुद्दे की समीक्षा कर तय समय सीमा में कार्य पूरा कराना उद्देश्य है।

एक नजर

मुजफ्फरपुर में ठेकेदार की संदिग्ध मौत, न्यू पटना बाईपास जाम कर परिजनों ने किया हंगामा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र के मधुबन जगदीश गांव में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब 55 वर्षीय ठेकेदार मुंटून सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए न्यू पटना बाईपास को कपरपुरा रेलवे गुमटी के समीप जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण देखते ही देखते वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। बताया जाता है कि पेशे से ठेकेदार मुंटून सिंह काम के सिलसिले में बाहर रहते थे। बीती रात दरभंगा में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। आनन-फानन में उन्हें एम्बुलेंस के जरिए मुजफ्फरपुर स्थित उनके पैतृक आवास लाया गया, लेकिन घर पहुँचते ही उनकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि यह सामान्य मौत नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी साजिश या संदिग्ध कारण हो सकती हैं। इसी मांग को लेकर परिजन सड़क पर उतर आए और जांच की मांग करते हुए फोरलेन पर प्रदर्शन करने लगे। हंगामे और सड़क जाम की सूचना मिलते ही एसडीपीओ वेस्ट-01 सुचित्रा कुमारी और कांटी थानाध्यक्ष रविकांत पाठक भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। करीब एक घंटे तक चले हंगामे के बाद अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस के उचित कानूनी कार्रवाई और निष्पक्ष जांच के आश्वासन के बाद जाम हटाया गया, जिसके बाद बहाल हो सका।

बिहार के सरकारी स्कूल में एक दर्जन बच्चों की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में कराया गया भर्ती

पश्चिमी चंपारण। बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के चनपटिया प्रखंड स्थित रिफ्यूजी प्राथमिक विद्यालय में मंगलवार को चापाकल का पानी पीने से लगभग एक दर्जन बच्चे बीमार हो गए। बच्चों को उल्टी, पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायत हुई। घटना के बाद विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। बीमार बच्चों में पिंकी कुमारी, हिमांशु कुमार, प्रिंस कुमार, अरुण कुमार, शिवानी कुमारी, बिट्टू कुमार, साजन कुमार, सिमरन कुमारी, भोला कुमार, विशाल कुमार, कृष्णा कुमार और विकास कुमार शामिल हैं। बच्चों को तत्काल भैंसही अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) बेतिया रेफर कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, सुबह स्कूल खुलने के बाद कुछ बच्चे विद्यालय परिसर में लगे चापाकल से पानी पीने पहुंचे। कुछ ही देर में उन्हें उल्टी, पेट दर्द और चक्कर आने लगे। बाद में अन्य बच्चों ने भी वही पानी पी लिया, जिससे कुल लगभग 12 बच्चे बीमार हो गए। डॉक्टर दिवाकांत मिश्रा, उपाधीक्षक जीएमसीएच, ने बताया कि सभी बच्चों की स्थिति फिलहाल स्थिर है, लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें बेहतर जांच और इलाज के लिए भर्ती किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन भी सतर्क हो गए। चापाकल के पानी की जांच कराई जाएगी ताकि बीमारी के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। घटना की जानकारी मिलने पर बच्चों के अभिभावक भी अस्पताल पहुंच गए और उनकी तबीयत को लेकर चिंता जताई।

हाजीपुर-महुआ रोड पर पलटा टेंपो, 10 लोग घायल, 5 की हालत गंभीर, पीएमसीएच रेफर

एजेंसी। पटना

वैशाली जिले में हाजीपुर-महुआ मुख्य मार्ग पर एक टेंपो के अनियंत्रित होकर पलट जाने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में करीब 10 लोग घायल हो गए, जिनमें महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा गया। बताया गया कि सभी लोग वैशाली जिले के सराय थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव के रहने वाले हैं और एक शादी समारोह से पहले गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। इसी दौरान हाजीपुर-महुआ मुख्य मार्ग पर टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद घायलों में से पांच लोगों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना के (PMCH) रेफर कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल गिरिजा देवी की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। घायलों और उनके परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अस्पताल में स्ट्रेचर नहीं मिलने के कारण घायलों को दीवार के पास बैठने वाली बेंच पर ही लिटा दिया गया। साथ ही करीब डेढ़ घंटे तक डॉक्टर के मौजूद नहीं रहने से घायलों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घायलों के परिजनों के अनुसार, बिरजू पासवान के बड़े बेटे की 13 मार्च को शादी होनी है। इसी समारोह में शामिल होने के लिए रिश्तेदार आए थे और घर की महिलाएं गंगा स्नान के लिए जा रही थीं। तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। ऑटो में करीब 8 से 10 लोग सवार थे और सभी दुर्घटना का शिकार हो गए।

इन लोगों की हुई पहचान

घायलों की पहचान गिरिजा देवी, सोना देवी, चिंता देवी, सुलेखा देवी, चिनिया देवी, मुनचुन देवी और सत्यम कुमार के रूप में हुई है। ये सभी सराय थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव के निवासी बताए जा रहे हैं।

बिहार में 12 से 15 मार्च तक बूंदाबांदी का अलर्ट, उत्तर बिहार के कई जिलों में हल्की बारिश की संभावना

एजेंसी। पटना

12 मार्च से 15 मार्च तक मौसम विभाग ने बूंदाबांदी या हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तर बिहार के मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी चंपारण व पश्चिमी चंपारण में बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है, इस दौरान हवा भी चलेगी, फिलहाल पुरवा हवा चलेगी, आसमान में बादल छाए रहेंगे और मौसम शुष्क बना रहेगा। डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा, समस्तीपुर (बिहार) के जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र ग्रामीण कृषि मौसम सेवा ने इसे लेकर बुलेटिन जारी किया है। मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.8 एवं 15.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 60 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.0 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.6 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 21.2 एवं दोपहर में 32.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 11-15 मार्च, 2026 तक के मौसम पूवार्नुमान के अनुसारः- उत्तर बिहार के जिलो के आसमान में गरज वाले हल्के बादल बन सकते है। जिसके प्रभाव से 12 मार्च के आसपास मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी तथा पश्चिम चम्पारण जिलों के 1-2 स्थानों पर बूंदा बूंदी हो सकती है। अन्य जिलों में मुख्यतः मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 34 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 20 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। औसतन 8-12 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पुरवा हवा चलने का अनुमान है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 25 प्रतिशत रहने की संभावना है। 12 मार्च के आसपास मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण जिलों में हल्की वर्षा या बूंदाबांदी की संभावना है। इसलिए किसान भाई मौसम को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक कृषि कार्य करें। तैयार सरसों की कटाई, दौनी तथा आलू की खुदाई केवल तब ही करें जब मौसम साफ हो, ताकि फसल को नुकसान से बचाया जा सके।

16 हजार की रिश्वत में फंसे मुखिया! निगरानी टीम ने रंगे हाथ दबोचा, 7 करोड़ गबन का भी रहा है आरोप

एजेंसी। सीतामढ़ी

सीतामढ़ी जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी अन्वेषण ब्यूरो को बड़ी सफलता मिली है। विभाग की टीम ने रुन्नीसैदपुर प्रखंड की कौड़िया लालपुर पंचायत के मुखिया अवधेश साह को 16,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिले के डुमरा इलाके में की गई, जहां मुखिया एक योजना में कमीशन के तौर पर घूस की राशि स्वीकार कर रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुखिया अवधेश साह ने मानदेय भुगतान और पंचायत की विभिन्न विकास योजनाओं में काम कराने के एवज में कुल 20,000 रुपये की मांग की थी। काफी मान-मनौव्वल के बाद यह रकम 16,000 रुपये पर तय हुई, जिसके बाद निगरानी विभाग ने जाल बिछाकर उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब वार्ड सदस्य अजय पासवान ने मुखिया की अवैध मांग से परेशान होकर निगरानी विभाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता का आरोप था कि पंचायत की योजनाओं को सुचारू रूप से चलाने और मानदेय भुगतान के लिए मुखिया लगातार कमीशन की मांग कर रहे थे। निगरानी विभाग ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद एक विशेष टीम का गठन किया। जैसे ही मुखिया अवधेश साह ने डुमरा में रिश्वत की राशि अपने हाथ में ली, पहले से घात लगाए बैठी निगरानी टीम ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मुखिया अवधेश साह का विवादों से पुराना संबंध रहा है और वे क्षेत्र में कथित कमीशनखोरी के लिए पहले से चर्चा में रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उन पर पहले भी करीब 7 करोड़ रुपये के सरकारी धन के गबन का गंभीर आरोप लग चुका है। इस बड़े घोटाले के मामले में उन्हें हाल ही में पटना हाई कोर्ट से जमानत मिली थी। जेल से बाहर आने के कुछ ही समय बाद फिर से रिश्वत लेते पकड़े जाने से उनके प्रशासनिक आचरण पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार पंचायत में उनके रसूख और भ्रष्टाचार की चचाएं लंबे समय से होती रही हैं।

गिरफ्तारी के बाद पूछताछ जारी, प्रशासन में हलचल

गिरफ्तारी के बाद निगरानी विभाग की टीम आरोपी मुखिया को अपने साथ पटना ले गई है, जहां उनसे सघन पूछताछ की जा रही है। विभाग यह भी जांच कर रहा है कि इस कमीशनखोरी के मामले में प्रखंड स्तर के अन्य अधिकारी या बिचौलिए भी शामिल हैं या नहीं। इस कार्रवाई के बाद सीतामढ़ी के प्रशासनिक गलियारों और अन्य पंचायत प्रतिनिधियों के बीच भी हलचल तेज हो गई है। निगरानी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल, इस कार्रवाई को जिले में सुशासन की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

पटना में लॉन्च हुआ फिल्म 'किस्सा कोर्ट कचहरी' का का भव्य ट्रेलर

एजेंसी। पटना

सच्ची घटना पर आधारित बॉलीवुड फिल्म किस्सा कोर्ट कचहरी का का भव्य ट्रेलर लॉन्च पटना के प्रतिष्ठित होटल मौर्या में किया गया। इस खास मौके पर बिहार सरकार की मंत्री श्रेयषी, भाजपा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और समाजसेवी व नेत्री ऋतु जायसवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद पूरी टीम को शुभकामनाएँ देते हुए इसकी सफलता की कामना की। लवली फिल्म्स प्रस्तुत इस फिल्म के निर्देशक रजनीश जायसवाल और निमार्ता अरुण जायसवाल के साथ कई कलाकार भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। इनमें अभिनेता बृजेंद्र काला, नीलू कोहली, कृष्णा सिंह बिष्ट, लोकेश तिलकधारी, संजीव जायसवाल और अनुज जाधव भी शामिल थे। इस अवसर पर निर्देशक रजनीश जायसवाल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने बताया कि यह कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और इसमें न्याय व्यवस्था से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें दर्शाई गई हैं। उन्होंने कहा, ह्लसच को कुछ समय के लिए छुपाया जा सकता है, लेकिन उसे मिटाया नहीं जा सकता। अंततः सच सामने आता है और अब फैसला कोर्ट में होगा। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे सिनेमाघरों में जाकर फिल्म देखें और कलाकारों को अपना आशीर्वाद दें। फिल्म के निमार्ता अरुण जायसवाल ने कहा कि बिहार की धरती पर फिल्म के प्रमोशन के दौरान जो प्यार और सम्मान मिला है, वह बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि मंत्री श्रेयषी सिंह, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और नेत्री ऋतु जायसवाल जैसे सम्मानित लोगों की उपस्थिति से टीम का मनोबल बढ़ा है। उन्हें उम्मीद है कि उनके आशीर्वाद और दर्शकों के समर्थन से यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी। अभिनेता बृजेन्द्र काला ने भी बिहार के लोगों के प्रति अपना प्रेम व्यक्त करते हुए कहा कि वे पहले भी बिहार आ चुके हैं और यहाँ का स्नेह हमेशा उन्हें आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई गई है और इसकी कहानी दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में वे बिहार की पृष्ठभूमि पर आधारित कई अन्य फिल्मों में भी काम कर रहे हैं। फिल्म किस्सा कोर्ट कचहरी का में राजेश शर्मा, ब्रिजेंद्र काला, नीलू कौर कोहली, सुशील चंदरभान पाराशा, कृष्णा सिंह बिष्ट, अंजू जाधव, सरजीव जायसवाल, लोकेश एस सिंह और अवन्या कुमारी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के डीओपी धर्मेंद्र विश्वास, एडिटर संतोष मंडल, संगीत प्रवेश मलिक और साउंड डिजाइनर कैलाश सिंह हैं। यह फिल्म 13 मार्च को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसकी कहानी न्याय, संघर्ष और सच की जीत के संदेश को दर्शकों तक पहुँचाने का प्रयास करेगी।

एयरफोर्स सार्जेंट प्रशांत शेखर का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, जवानों ने दी गार्ड ऑफ ऑनर

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के एयरफोर्स जवान सार्जेंट प्रशांत शेखर की इलाज के दौरान मौत हो जाने के बाद सोमवार को उनका पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटा हुआ उनके गांव पहुंचा। जैसे ही शहीद जवान का शव गांव पहुंचा, पूरा गांव गमगीन हो गया और ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं। भारतीय वायु सेना के जवानों ने दरभंगा से शव लाकर पूरे सम्मान के साथ उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। गांव के लोगों ने भाव-विभोर होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।बताया जाता है कि सार्जेंट प्रशांत शेखर ने करीब 15 वर्ष पहले भारतीय वायु सेना ज्वाइन की थी। 33 वर्षीय प्रशांत शेखर असम के तेजपुर स्थित एयरफोर्स सेंटर में पोस्टेड थे। इसी दौरान वह बीमार पड़ गए थे और उनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान ही उनकी मौत हो गई। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। भारतीय वायु सेना के जवान की इलाज के दौरान मौत के बाद उनका पार्थिव शरीर असम से दरभंगा लाया गया। इसके बाद एयरफोर्स के जवानों द्वारा पूरे सम्मान के साथ उनके शव को उनके गांव पहुंचाया गया।